भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 864
दिनांक 07 फरवरी, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

फार्मा मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना

864. श्री जगदम्बिका पालः

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वे प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (केपीआई) क्या हैं जिनका उपयोग उत्कृष्टता केंद्रों द्वारा नए फार्मास्युटिकल समाधान तैयार करने के तरीके का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है;
(ख) क्या फार्मा मेडटेक सेक्टर (पीआरआईपी) में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की योजना के तहत अनुसंधान परियोजनाओं के विकास का पता लगाने के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल डैशबोर्ड उपलब्ध है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) हितधारक किस प्रकार आंकड़ों तक पहुंच सकते हैं?

उत्तर

रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ग): फार्मा मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार के संवर्धन की योजना के तहत औषध विभाग ने सात राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों में से प्रत्येक में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है। इन केंद्रों की स्थापना के प्रस्तावों को वित्तीय परिव्यय, उद्देश्यों, लक्षित लाभार्थियों, उद्योग सहभागिता जैसे संकेतकों/कारकों और अवसंरचना, पेटेंट, प्रकाशन और प्रशिक्षित छात्रों जैसे मापनीय आउटपुटों अथवा परिणामों के आधार पर मंजूरी प्रदान की गई थी। योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार, विभाग ने एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करने, पात्रता सत्यापन और दावों के संवितरण की देखरेख करने के लिए एक परियोजना प्रबंधन एजेंसी की नियुक्त की है जो भविष्य के संदर्भ और पहुंच के लिए संबंधित हितधारक के लिए यूनीक आवेदन आईडी के साथ-साथ पंजीकरण संख्या का भी सृजन करेगी।

*****